>

Title: Acute shortage of skilled work force in ordnance factories in the country.

श्री राकेश सिंह (जबलपुर) : महोदय, पिछले कई सालों में देश की आयुध निर्माणियों में कर्मचारियों की भर्ती बन्द है और सेवानिवृति का क्रम लगातार जारी है। वहीं दूसरी ओर अधिकारियों की संख्या में लगभग दस गुना वृद्धि हुई है जिसका परिणाम यह है कि वर्तमान में कुशल कर्मचारियों की संख्या में लगभग 50 प्रतिशत के आसपास कमी हो गयी है, जबकि इन्हीं निर्माणियों से अप्रेन्टिस किए हुए हजारों कुशल कारीगर जगह-जगह ठोकरें खा रहे हैं। ऐसे कर्मचारी जिन्होंने विषम परिस्थितियों में भी निर्माणियों की सेवा करने में अपना जीवन लगाया, उनके आश्रित आज अनुकम्पा नियुक्ति के लिए भटक रहे हैं। कर्मचारियों की संख्या में हो रही कमी के कारण उतने ही समय में अधिक काम करने का मानसिक दबाव भी उन पर है। धीरे-धीरे इन सारे सुरक्षा संस्थानों का अस्तित्व समाप्त होता चला जा रहा है।

ऐसे में आपके माध्यम से मैं कहना चाहता हूँ कि इन आयुध निर्माणियों की विश्वसनीयता एवं गुणवत्ता को देखते हुए, देशहित में इन्हें क्षमता के अनुसार पर्याप्त काम दिया जाए, कर्मचारियों की भर्ती पर लगी रोक को हटाया जाए, अप्रेन्टिस किए हुए बेरोजगारों को नौकरी पर लिया जाए और अनुकम्पा नियुक्ति के नियमों को सरल करके कर्मचारियों के आश्रितों को रोजगार प्रदान किया जाए ताकि कर्मचारियों की कमी के कारण रक्षा उत्पादन कार्य में आ रही समस्या को दूर किया जा सके और साथ ही विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा के इस युग में सरकारी क्षेत्र की ये आयुध निर्माणियां रक्षा के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकें।

MR. SPEAKER: Shri Ramji Lal Suman. Please refer only to those aspects which concern the Central Government.

...(*Interruptions*)